

विशेष आवरण/Special Cover



माधव टाइगर रिजर्व

Madhav Tiger Reserve



माधव टाइगर रिजर्व, मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित है। इसे वर्ष 1958 में राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया था तथा वर्ष 2025 में "टाइगर रिजर्व" के रूप में घोषित किया गया। यह रिजर्व विन्ध्याचल पर्वत श्रृंखला के अंतर्गत स्थित है एवं इसमें वनों, घास के मैदानों तथा जलाशयों सहित विविध पारिस्थितिक तंत्र विद्यमान हैं। यह रिजर्व बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, चीतल, सांभर, भालू एवं विभिन्न प्रकार के पक्षियों सहित समृद्ध वन्यजीव विविधता को संरक्षण प्रदान करता है। रिजर्व क्षेत्र में स्थित प्रमुख जलाशय जैसे साख्य सागर एवं चंद्रपाठा झील न केवल वन्यजीवों के लिए जलस्रोत का कार्य करते हैं, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। माधव टाइगर रिजर्व जैव विविधता के संरक्षण एवं क्षेत्र की पारिस्थितिक एवं पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Madhav Tiger Reserve, located in Shivpuri district of Madhya Pradesh, was initially notified as a National Park in the year 1958 and subsequently declared as a Tiger Reserve in the year 2025. The Reserve falls within the Vindhyaachal hill ranges and encompasses diverse ecological features including forests, grasslands, and water bodies. The Reserve supports a rich faunal diversity comprising species such as tiger, leopard, nilgai, chital, sambar, sloth bear, and a variety of avifauna. Prominent water bodies within the Reserve such as Sakhya Sagar and Chandpatha lakes serve as critical habitats for wildlife and are also of interest from an eco-tourism perspective. Madhav Tiger Reserve plays a significant role in the conservation of biodiversity and contributes to the ecological and environmental stability of the region.

यह विशेष आवरण अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में माधव टाइगर रिजर्व पर जारी किया जा रहा है।
This special cover is being released on Madhav Tiger Reserve to commemorate the International Tiger Day 2025

MP- 06/2025/2000

MP- 06/2025/2000



₹20

Postage Charge Extra

भारतीय डाक विभाग

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, म.प्र. डाक परिमंडल, भोपाल-462012

Department of Posts, India

Chief Postmaster General, M.P. Circle, Bhopal 462012

RATAPANI TIGER RESERVE रातापानी टाइगर रिजर्व

"International Tiger Day - 29 July 2025"

विशेष आवरण SPECIAL COVER



रातापानी टाइगर रिजर्व को वर्ष 2024 में आधिकारिक रूप से बाघ अभयारण्य घोषित किया गया, जिससे यह मध्य प्रदेश का 8वां और भारत का 57वां टाइगर रिजर्व बन गया है। यह मान्यता राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के माध्यम से प्रदान की गई है। विंध्याचल पर्वतमाला के निकट स्थित यह अभयारण्य न केवल जैव विविधता में समृद्ध है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ प्रसिद्ध भीमबेटका की शैलाश्रय गुफाएँ स्थित हैं, जिन्हें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त है। 1,271.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले इस रिजर्व में 763.8 वर्ग किमी कोर और 507.6 वर्ग किमी बफर क्षेत्र शामिल है। यहाँ शुष्क और आर्द्र पर्णपाती वनों में 55% क्षेत्र पर सागीन (टेक्टोना ग्रेण्डिस) का वर्षस्व है, साथ ही बाँस और सदापर्णी साजा के जंगल इसे पर्यटकों के लिए एक मनमोहक गंतव्य बनाते हैं।

Ratapani Tiger Reserve was officially declared a tiger sanctuary in the year 2024, making it the 8th Tiger Reserve of Madhya Pradesh and the 57th in India. This recognition was granted by the National Tiger Conservation Authority (NTCA) under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change. Located near the Vindhyan mountain range, the reserve is rich not only in biodiversity but also in cultural heritage, as it houses the famous Bhimbetka rock shelters, a UNESCO World Heritage Site. Covering a total area of 1,271.4 square kilometers, the reserve includes a core area of 763.8 sq km and a buffer zone of 507.6 sq km. The forests here are primarily dry and moist deciduous, with teak (Tectona grandis) covering around 55% of the region. The presence of bamboo groves and evergreen Saja trees further enhances the beauty of the landscape, making it a captivating destination for nature lovers and tourists.

यह विशेष आवरण अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में रातापानी टाइगर रिजर्व पर जारी किया जा रहा है।
This special cover is being released on Ratapani Tiger Reserve to commemorate the International Tiger Day 2025

MP- 08/2025/2000

MP- 08/2025/2000



₹20
Postage Charge Extra

भारतीय डाक विभाग
मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, म.प्र. डाक परिसंडल, भोपाल-462012
Department of Posts, India
Chief Postmaster General, M.P. Circle, Bhopal 462012

विशेष आवरण SPECIAL COVER



सतपुड़ा टाइगर रिजर्व
Satpura Tiger Reserve



मध्यप्रदेश राज्य के नर्मदापुरम जिले में स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की स्थापना वर्ष 2000 ईस्वी में हुई है। यह 2133.30 वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल में फैला मध्य भारतीय भूभाग के अधित्यका (हाईलैंड) पारिस्थितिक तंत्र का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह भूभाग छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, बैतुल, हरदा, खंडवा एवं मेलघाट के वनक्षेत्रों को सम्मिलित करते हुए लगभग 10,000 वर्ग किमी. क्षेत्र है जो कि बाघ वृहद्विवास क्षेत्र है। वर्ष 2022 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा आयोजित प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई) के तहत देश स्तर पर समस्त 56 टाइगर रिजर्व का बाघ प्रबंधन के क्षेत्र में मूल्यांकन किया गया, जिसमें सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को देश में द्वितीय एवं मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

The Satpura Tiger Reserve, located in the Narmadapuram district of Madhya Pradesh, was established in the year 2000. Spanning an area of 2,133.30 square km, it is an excellent example of the highland ecosystem of the Central Indian landscape. This region, which includes the forest areas of Chhindwara, Narmadapuram, Betul, Harda, Khandwa, and Melghat, collectively covers around 10,000 square km and serves as a significant tiger habitat. In 2022 under the "Management Effectiveness Evaluation" (MEE) conducted by the National Tiger Conservation Authority at the national level-evaluating the management of all 56 tiger reserves across the country. Satpura Tiger Reserve was ranked second in the country and first in Madhya Pradesh.

यह विशेष आवरण अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पर जारी किया जा रहा है।

This special cover is being released on Satpura Tiger Reserve to commemorate the International Tiger Day 2025.

MP-07/2025/2000

20/-

Postage Charge Extra



भारतीय डाक विभाग

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, मध्यप्रदेश परिमंडल, भोपाल - 462012

Department of Posts, India
Chief Postmaster General, Madhya Pradesh Circle, Bhopal - 462012



MP-07/2025/2000

विशेष आवरण/Special Cover



पन्ना टाइगर रिजर्व
Panna Tiger Reserve

MP-12/2025/2000

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1981 में की गई थी। इसे 1994 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत भारत का 22वाँ और मध्य प्रदेश का 5वाँ टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। छतरपुर एवं पन्ना जिले के मध्य फैला हुआ यह टाइगर रिजर्व विंध्य पर्वत माला की मनोरम श्रृंखलाओं में स्थित है। अपनी अनुपम प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध यह रिजर्व झरनों, निर्मल केन नदी, पुरातात्विक धरोहरों और जैव विविधता तथा बाघों से परिपूर्ण है। इस विशेष आवरण को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जारी किया जाएगा है।

Panna National Park was established in 1981. Declared a Project Tiger Reserve in 1994, it is India's 22nd and Madhya Pradesh's 5th tiger reserve. Nestled between the Chhatarpur and Panna districts, this Tiger Reserve is set amidst the scenic ranges of the Vindhya Mountains. Renowned for its scenic beauty, the Reserve is home to cascading waterfalls, the pristine Ken River, archaeological wonders and rich biodiversity, including the majestic tiger. This Special Cover is being released to commemorate International Tiger Day 2025.

MP-12/2025/2000



₹20/-



भारतीय डाक विभाग

पोस्टमास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर 482001

Department of Posts, India

Postmaster General, Jabalpur Region, Jabalpur 482001

विशेष आवरण/Special Cover



कान्हा टाइगर रिजर्व
Kanha Tiger Reserve

मंडला और बालाघाट के सघन साल वनों में फैले हुए कान्हा टाइगर रिजर्व को बंगाल टाइगर का प्रमुख आवास और वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी तथा 1973 में इसे टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। यह लगभग 2051.79 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं एवं यह मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है। इस विशेष आवरण को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जारी किया जा रहा है।

Nestled in the lush Sal forests of Mandla and Balaghat, Kanha Tiger Reserve is a premier habitat for the Bengal tiger and a beacon of wildlife conservation. Established in 1955 and designated a Tiger Reserve in 1973, it spread around 2051.79 sq. km, making it the largest national park in Madhya Pradesh. This Special Cover is being released to commemorate International Tiger Day 2025.

MP-09/2025/2000

MP-09/2025/2000



₹20/-



भारतीय डाक विभाग

पोस्टमास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर 482001

Department of Posts, India

Postmaster General, Jabalpur Region, Jabalpur 482001

विशेष आवरण/Special Cover



पेंच टाइगर रिजर्व

Pench Tiger Reserve

मध्य प्रदेश के सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में स्थित पेंच टाइगर रिजर्व, बंगाल टाइगर के लिए एक महत्वपूर्ण आश्रय स्थल है। वर्ष 1992 में देश के 19वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित, यह 1179.63 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें जीवंत वन और समृद्ध जैव विविधता विद्यमान है। पेंच का नाम रुडयार्ड किपलिंग की अमर रचना द जंगल बुक से भी जुड़ा है। इस विशेष आवरण को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जारी किया जा रहा है।

Located in the Seoni and Chhindwara districts of Madhya Pradesh, Pench Tiger Reserve serves as a crucial stronghold for the Bengal tiger. Notified as the 19th Tiger Reserve of the country in 1992, it spans over 1179.63 sq. km of vibrant forests and rich biodiversity. Pench is famously associated with The Jungle Book, Rudyard Kipling's timeless classic. This Special Cover is being released to commemorate International Tiger Day 2025.

MP-10/2025/2000

MP-10/2025/2000



₹20/-



भारतीय डाक विभाग

पोस्टमास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर 482001

Department of Posts, India

Postmaster General, Jabalpur Region, Jabalpur 482001

विशेष आवरण/Special Cover



बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व
Bandhavgarh Tiger Reserve

MP-11/2025/2000

मध्य प्रदेश की पूर्वी सतपुड़ा पर्वतमाला में स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया, कटनी और शहडोल जिलों में फैला हुआ है। लगभग 1,536.93 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत यह रिजर्व रॉयल बंगाल टाइगर की उच्च सघनता के लिए प्रसिद्ध है और इस शानदार शिकारी को उसके प्राकृतिक आवास में देखने का अद्भुत अवसर प्रदान करता है। इस विशेष आवरण को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जारी किया जा रहा है।

Situated in the eastern Satpura hill range of Madhya Pradesh, Bandhavgarh Tiger Reserve spans the districts of Umari, Katni, and Shahdol. Covering around 1,536.93 sq. km, it is renowned for its high density of Royal Bengal Tigers and offers a remarkable opportunity to witness this majestic predator in its natural habitat. This Special Cover is being released to commemorate International Tiger Day 2025.

MP-11/2025/2000



₹20/-



भारतीय डाक विभाग
पोस्टमास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर 482001
Department of Posts, India
Postmaster General, Jabalpur Region, Jabalpur 482001

विशेष आवरण/Special Cover



संजय दुबरी टाइगर रिजर्व
Sanjay Dubri Tiger Reserve

सोनी जिले में स्थित, संजय-दुबरी टाइगर रिजर्व, जैव विविधता और वन्यजीव प्रेमियों के लिए स्वर्ग के समान है। वर्ष 1975 में स्थापित यह रिजर्व क्षेत्र की समृद्ध वन पारिस्थितिकी प्रणालियों की रक्षा करता है। इसमें संजय राष्ट्रीय उद्यान एवं दुबरी अभयारण्य सम्मिलित हैं, जो मिलकर 831 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैले हुए हैं। यह क्षेत्र वन्यजीव इतिहास में भी विशेष स्थान रखता है, क्योंकि यहीं 1951 में रीवा नरेश द्वारा प्रसिद्ध श्वेत बाघ "मोहन" को खोजा और संरक्षित किया गया था। इस विशेष आवरण को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जारी किया जा रहा है।

Nestled in the Sidhi district, Sanjay-Dubri Tiger Reserve is a heaven for biodiversity and wildlife lovers. Established in 1975, the Reserve protects the rich forest ecosystems of the region and comprises Sanjay National Park and Dubri Wildlife Sanctuary, covering over 831 sq. km of pristine wilderness. This landscape holds a special place in wildlife history as the home of the legendary white tiger "Mohan", found and rescued by the Maharaja of Rewa in 1951. This Special Cover is being released to commemorate International Tiger Day 2025.

MP-13/2025/2000

MP-13/2025/2000



₹20/-



भारतीय डाक विभाग

पोस्टमास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर 482001

Department of Posts, India

Postmaster General, Jabalpur Region, Jabalpur 482001

विशेष आवरण/Special Cover



वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व
Veerangana Durgavati Tiger Reserve



मध्य प्रदेश के सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों में फैला हुआ वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, भारत का 54वां और मध्य प्रदेश का 7वां टाइगर रिजर्व है। इसे वर्ष 2023 में आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया गया था, और यह लगभग 1414 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह वीरांगना गोंड रानी दुर्गावती के सम्मान में नामित किया गया है। यह क्षेत्र बाघ सहित कई संकटग्रस्त प्रजातियों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास प्रदान करता है। इस विशेष आवरण को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जारी किया जाएगा।

Located in the Sagar, Damoh, and Narsinghpur districts of Madhya Pradesh, Veerangana Durgavati Tiger Reserve is India's 54th and Madhya Pradesh's 7th tiger reserve. It was officially notified in year 2023 covering around 1414 Sq.Km. It is named in honour of the valiant Gond queen, Rani Durgavati. The reserve provides a vital habitat for the tiger, along with several other endangered species. This Special Cover is being released to commemorate International Tiger Day 2025.

MP-14/2025/2000

MP-14/2025/2000



₹20/-



भारतीय डाक विभाग

पोस्टमास्टर जनरल, जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर 482001

Department of Posts, India

Postmaster General, Jabalpur Region, Jabalpur 482001